साप्ताहिक नारद

Saptahik Narad

Vol 2 Issue 11 March 11, 2025, Editor: Srikant Pathak

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव ।

यद् भद्रं तन्न आ सुव O Lord, remover of all impurities, inspire our intellect and guide towards the path of righteousness. May we always be blessed with auspiciousness and goodness



The views and opinions expressed in this newsletter are those of the author and do not necessarily reflect the policy or position of the publisher. The content provided is for general informational purposes only and should not be considered as professional advice. Furthermore, the publisher shall not be liable for any losses, injuries, or damages arising from the use or reliance on this information in the newsletter. Readers are encouraged to seek independent professional advice before making any decisions based on the content of the blog.
Contributions to this blog are voluntary. No monetary compensation, gifts, or incentives are provided for submitted content. Contributors are appreciated for their insights and expertise, and their work is published purely for the purpose of engaging and informing our readers

संपादकीय



होली और जुम्मे की नवाज

होली और जुम्मा इस बार एक ही दिन शुक्रवार 14 मार्च को पड़ रहा है। ज़ात है कि माहे रमजान भी चल रहा है और इस महीने में जुम्मे की नवाज संप्रदाय विशेष के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है।

एक प्रजातान्त्रिक देश के लिए यह बात गौरव की और दूनी प्रसन्नता की होनी चाहिये। लेकिन, भारत में यह बात एक गंभीर चिंता का विषय है। अभी तक कौमी एकता की बात एक दिखावे के लिए होती थी विशेष कर राजनीतिक पार्टियों द्वारा । वोटे बैंक की राजनीति ने समाज में कभी समरसता आने ही नहीं दिया। उसका ही परिणाम है, आज कौमी एकता चरमरा गई है। एक छोटी घटना भी आग की चिंगारी बन सकती है और जान माल की अपूर्व क्षति कर सकती है।

इससे बचने और बचाने का मार्ग भी समाज ने आज से लगभग तीन वर्ष पहले ऐसी स्थिति में निकाला था और आज भी वह मार्ग उतना ही कारगर हो सकता है। लखनऊ के धर्मगुरु इस बात पर सहमत हो गए थे कि जुम्मे की नवाज दोपहर ढाई बजे से पढ़ी जाएगी तबतक रंग खेलने वाली होली ढल चुकी होती है। इस प्रकार दोनों पक्ष अपने अपने-अपने त्योहार बेरोक टोक मना सकेंगे।

आज फिर वही स्थिति है और ऐसी ही सोच की जरूरत है। एक पक्ष की और से तर्क देते हुए यह भी कहा गया है कि जुम्मा तो साल में हर

सप्ताह यानि 52 बार आता है लेकिन होली साल में एक ही बार आती है। इस तर्क में कोई दोष नहीं है यदि इसमें विनय भाव है तो। समझदारी तो इसी में है कि ढाई बजे तक रंग खेलने वाली होली समाप्त कर ली जाए, विशेष कर हिंदुस्तान में जिसे सेंसीटिव एरिया कहा जाता है वहाँ।

यह भी कहा गया है कि जिन्हें रंग से एलर्जी हो वे घर से उस दिन बाहर ना निकले या इमर्जेंसी हो तो काफी सावधानी वरतें । ऐसी सावधानी रंग खेलने वालों को भी रखनी चाहिये।

हमें पूरी तरह पुलिश प्रशासन पर अपनी शांति और सुरक्षा के लिए निर्भर नहीं होना चाहिये। समाज को भी जागरूक हो कर समाजिक शांति बनाए रखने का सक्रिय प्रयास करना चाहिये।

उत्तर भारत में विशेष कर यू पी में योगी सरकार इस मुद्दे पर सक्रिय है और कोई दुर्घटना ना इसके लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ऐसा प्रयास दूसरे राज्यों में भी करना चाहिये क्योंकि दंगा-मानसिकता वाले लोग हर राज्य में हैं। सावधानी हटी दुर्घटना घटी वाली स्थिति है।

आल इंडिया पर्सनल बोर्ड के मुखिया के अटपटे बोल सुनने में आ रहे हैं हम उनका यहाँ उल्लेख नहीं करना चाहते। होली या ईद मिलन का त्योहार है तो नाराज होने के लिए 364 दिन पड़े हैं फिर 13 मार्च को दिल्ली जंतर मंत्र पर प्रदर्शन की बात क्यों सामने आ रही है? शांति में खलल पड़े उसके पहले ही सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिये।◊◊



चैंपियंस ट्रॉफी 2025: भारत ने वर्षों बाद जीता खिताब

[कार्यालय प्रतिनिधि द्वारा]

(दुबई, 9 मार्च) जडेजा के 49 वें ओवर की आखिर गेंद पर चौके ने वर्षों के लम्बे अंतराल के बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब खराब क्षेत्ररक्षण के बावजूद भारत की झोली में डाल दिया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया और तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया।इसके साथ ही यत्र-तत्र जहां भी भारतीय और उनके समर्थक रहते हैं उन्होंने होली की जश्न में जीत को बदल दिया।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 251 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिचेल ने 63 और माइकल ब्रेसवेल ने नाबाद 53 रन का योगदान दिया। भारतीय गेंदबाजों, विशेषकर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती, ने शानदार प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

251 रनों का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने सधी हुई शुरुआत दी। आज की दौर के सबसे

खतरनाक वल्लेबाज कप्तान रोहित शर्मा ने 83 गेंदों में 76 रनों की अहम पारी खेली। इसके बाद उभरते श्रेयस अय्यर ने 48 रन और अंततः भरोसेमंद केएल राहुल ने नाबाद 34 रन बनाकर भारत को 4 विकेट से जीत दिलाई।

स्पिन गेंदबाजों का दबदबा बरकरार रहा। कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने शानदार गेंदबाजी की और न्यूजीलैंड के मध्यक्रम को बिखेर दिया। रोहित शर्मा ने शानदार कप्तानी का परिचय दिया, जिससे टीम लगातार खेल में आगे रही। मध्यक्रम के वल्लेबाज श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने महत्वपूर्ण साझेदारी की और लक्ष्य तक पहुंचने में मदद की। मैच के बाद क्रिकेट जगत से भारतीय टीम को बधाई देने का तांता लग गया।

सचिन तेंदुलकर ने कहा, "यह भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है। हमारी टीम ने शानदार खेल दिखाया है।"शोएब अख्तर (पूर्व पाकिस्तानी गेंदबाज) ने कहा "सर्वश्रेष्ठ टीम ने खिताब जीता है। भारत ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।"

हरभजन सिंह: "यह भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि है और यह टीम लंबे समय तक सफल रहेगी।"

रोहित शर्मा (कप्तान): "यह जीत हमारी पूरी टीम के प्रयास का परिणाम है। हमें गर्व है कि हमने अपने देश को गौरवान्वित किया।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी: "असाधारण खेल के असाधारण नतीजे आए हैं। पूरा देश टीम इंडिया पर गर्व करता है।"

हालांकि यह टूर्नामेंट शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कुछ विवाद पहले से चर्चा का विषय बने रहे।

टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई थी, लेकिन भारत ने सुरक्षा कारणों से वहां खेलने से इनकार कर दिया, जिससे कई मैच दुबई और अबू धाबी में कराए गए। भारत का यह निर्णय सही लगता है ,लाहौर में मैचों के दरम्यान ऐसी-ऐसी वारदातें हुईं जो आतंकवादी गतिविधियों जैसी ही थीं।

फाइनल मैच के दौरान यह चर्चा थी कि रोहित शर्मा जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। हालांकि, मैच के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है।

भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपनी ताकत और एकता का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। भारत की इस जीत ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है और एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारतीय क्रिकेट टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है।◊◊

राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश

[कार्यालय प्रतिनिधि द्वारा]

अयोध्या स्थित राम मंदिर को निशाना बनाने की आतंकी चिंताजनक साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और

फरीदाबाद स्पेशल टास्क फोर्स ने संयुक्त अभियान चलाकर 19 वर्षीय अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अब्दुल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस के संपर्क में था। उसने ऑनलाइन माध्यम से आतंकी



प्रशिक्षण लिया था और राम मंदिर पर ग्रेनेड हमले की योजना बना रहा था।

अब्दुल रहमान को फरीदाबाद, हरियाणा से गिरफ्तार किया गया, जहां वह अपनी साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। सुरक्षा एजेंसियों ने उसके ठिकाने से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए, जिन्हें उसने फरीदाबाद के एक खंडहर में छिपा रखा था। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह 5 अप्रैल को राम मंदिर पर हमला करने की योजना बना रहा था।

अब्दुल रहमान ने दो बार राम मंदिर की रेकी की थी और महाकुंभ में भी हमले की योजना बनाई थी। वह आईएसआई के निर्देशों पर काम कर रहा था और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आतंकी संगठनों से जुड़ा

हुआ था। सुरक्षा एजेंसियों को उसकी संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इस साजिश के खुलासे के बाद राम मंदिर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस और सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इसके अलावा, एजेंसियां अब्दुल के अन्य साथियों और उसके नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं।

राम मंदिर पर आतंकी हमले की यह साजिश सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के चलते नाकाम हो गई। आतंकी संगठन धार्मिक स्थलों का विशेष कर अयोध्या स्थित राम मंदिर को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भारत की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हैं और किसी भी खतरे से निपटने में सक्षम हैं। इस गिरफ्तारी के बाद एजेंसियां अब्दुल रहमान के संपर्कों की छानबीन कर रही हैं, जिससे और भी खुलासे होने की संभावना है।

अयोध्या भारतीयों के मर्म स्थल के रूप में उभरा है जिस पर चोट करना आतंकी चाहेंगे। धार्मिक स्थल की रेकी आसान होती है इसलिए मंदिर प्रबंधन को भी सजग रहने के जरुत है। राम मंदिर पर हमला भारतीय समाजिक ताने बाने को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। फिलहाल तो खतरा टल गया इसके लिए सुरक्षा एजेंसियां धन्यवाद के पात्र हैं।◊◊

[राम नाम अवलंब बिनु, परमारथ की आस।

बरषत वारिद-बूँद गहि, चाहत चढ़न अकास॥]

--रामचरित मानस

सबसे लंबी पेट्रोलियम गैस पाइपलाइन भारत में

[का. प्र.]



यह एक बहुत ही बड़ी उपलब्धि है कि भारत जून 2025 तक दुनिया की सबसे लंबी तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG) पाइपलाइन शुरू करने के लिए तैयार हो जाएगा। यह महत्वाकांक्षी परियोजना लगभग 2,800 किलोमीटर तक फैली हुई है, जो गुजरात के कांडला को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से जोड़ेगी। इस पाइपलाइन का निर्माण इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संयुक्त उद्यम IHB लिमिटेड के तहत किया जा रहा है।

यह पाइपलाइन प्रति वर्ष लगभग 8.3 मिलियन टन एलपीजी का परिवहन करेगी, जो भारत की कुल मांग का लगभग 25% है।

यह पाइपलाइन सड़क टैंकरों पर निर्भरता को कम करके परिवहन लागत घटाएगी और ईंधन परिवहन से जुड़े सड़क हादसों के जोखिम को भी कम करेगी।

इसका पहला चरण मार्च 2025 तक चालू हो जाएगा, और पूरी पाइपलाइन मध्य 2025 तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी।

यह पाइपलाइन भारत की एलपीजी आपूर्ति श्रृंखला में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली है, जिससे ईंधन वितरण अधिक सुरक्षित और किफायती हो जाएगा।

यह एक क्रांतिकारी कदम है और इसे देश व्यापी बनाना चाहिये इससे लोगों का जीवन उन्नत होगा।◊◊

हाइड्रोजन ईंधन सेल: एक क्रांतिकारी बदलाव

[का.प्र.]

भारत ने परिवहन क्षेत्र को हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए हाइड्रोजन ईंधन सेल (Hydrogen Fuel Cell) तकनीक को अपनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हाइड्रोजन ईंधन सेल बसें, जो केवल जल वाष्प का उत्सर्जन करती हैं, पर्यावरणीय दृष्टिकोण से एक क्रांतिकारी बदलाव का संकेत देती हैं। भारत में हाइड्रोजन तकनीक के विकास और इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन (National Hydrogen Mission) की शुरुआत की गई है। इस मिशन का उद्देश्य न केवल हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देना है, बल्कि इसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के रूप में स्थापित करना भी है।

इन बसों का संचालन बैटरी इलेक्ट्रिक बसों की तुलना में अधिक दूरी तक किया जा सकता है और ईंधन भरने में बहुत कम समय लगता है।

मिशन का उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन बढ़ाना, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन

बढ़ाना और हाइड्रोजन उत्पादन और इसके उपयोग के लिए नई और कुशल तकनीकों का विकास करना है।

हाइड्रोजन का उपयोग जीवाश्म ईंधनों के स्थान पर किया जाएगा, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।हाइड्रोजन के उत्पादन, वितरण और उपयोग से नए **नौकरी के अवसर** उत्पन्न होंगे और ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलेगा।

भारत के हाइड्रोजन नीति की चुनौतियों में सर्वोपरि है उत्पादन की उच्च लागत। ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की प्रक्रिया अभी भी महंगी है। इसे सस्ता बनाने के लिए तकनीकी सुधार और बड़े पैमाने पर उत्पादन की आवश्यकता है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी के कारण हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशनों और भंडारण सुविधाओं की कमी एक बड़ी चुनौती हो सकती है।

भारत में हाइड्रोजन ईंधन सेल बसों के पायलट प्रोजेक्ट परीक्षण के तौर पर प्रमुख शहरों और क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं। वर्तमान में ये बसें मुख्य रूप से दिल्ली और लेह में चल रही हैं।लेह की उच्च पर्वतीय स्थिति और पर्यावरणीय चुनौती के कारण यह परीक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

विभिन्न देशों ने हाइड्रोजन तकनीक को अपनाया है और इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। अमेरिका, चीन, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, और दक्षिण कोरिया और नीदरलैंड जैसे देशों में हाइड्रोजन बसों का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है।

भारत की हाइड्रोजन नीति और हाइड्रोजन ईंधन सेल बसों के पहल से स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन आ सकते हैं। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर हाइड्रोजन तकनीक को लागू करते हैं और आवश्यक बुनियादी ढाँचा तैयार करते हैं, तो न केवल पर्यावरण संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि आर्थिक विकास और नौकरी के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।◊◊

मथुरा में असद ढेर हुआ

[का. प्र.]

आतंकवादी असद, सैकड़ों अपराधों को अंजाम देने वाला जिसके सर पर लाखों का इनाम था, मथुरा में एक बड़े कांड को अंजाम देने की तैयारी में था। पुलिस के साथ मुठभेड़ में गत दिनों मारा गया।◊◊

<u>मानो तो व्यंग नहीं तो समाचार</u>



असली है कि नकली

[कात्या सुदामा]



आजकल असली और नकली की लड़ाई सर्वत्र जोरदार चल रही है। हर असली चींज की नकली या कार्बन कॉपी दुनिया में उपलब्ध है और आधुनिक सभ्यता की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। हर शहर में एक मार्केट होता है, जहां चोरी के समान के साथ-साथ नकली समान भी दिन दहाड़े मिल जाते हैं और बिक जाते हैं, जैसे कि वे ही असली हों।

एक सज्जन ने कहा, मुझे नकली आदमी चाहिये। दुकानदार ने कहा, “कितने चाहिये”। सुनकर सज्जन घबड़ाये और सोच कर पूछे, “दाम कितना होगा”. दुकानदार ने कहा, “उधर पीछे जितने बैठे हैं सब नकली ही हैं पसंद कर लीजिए”। सज्जन ने एक पसंद किया बोले, “कितने दे दूँ”। दुकानदार ने कहा, “चवन्नी”. सज्जन बोले, “मेरे पास खोटी चवन्नी है”. “चलेगा, चलेगा, आप अपने पसंद के आदमी को ले जाओ”.

सज्जन कुछ दूर ही गए थे कि उनके साथ चल रहा नकली आदमी दौड़ कर गायब हो गया।बेचारे लौट कर फिर उसी दुकान में गए। बोले, “वो तो दौड़ कर भाग गया”. दुकानदार ने कहा, “ले जाने के जिम्मेदारी आपकी है ये चोर बाजार है यहाँ फ्री की डेलीवेरी नहीं होती”.

कुछ ऐसा ही दृश्य अपने देश में भी है। नेता एकबार चुन लो भईया फिर उसको हटा नहीं सकते भले वह नकली ही क्यों ना हो। वह अपने को बार-बार इस पार्टी या उस पार्टी को बेंच सकता है। वह दिन दहाड़े इधर से उधर जंप मार सकता है, आप कुछ नहीं कर सकते।

उसके ऊपर हजार केस हों लेकिन उसको जेल नहीं होती वह तो टहलता ही रहता है और अगर जेल हो भी गई तो भी बाहर टहलता ही रहता है। पक्ष ना विपक्ष, ना दायें ना बाएं बस भ्रष्टाचार का बोलबाला। मेन मीडिया हो या शंट मीडिया हो बस अंट शन्ट बोलते ही जाते हैं, इनको कोई नहीं रोकने वाला ।

आजकल एक नई बात चल पड़ी है।नकली सर्टिफिकेट की और असली सर्टिफिकेट की। ई कहते हैं तुम्हारी पोलिटिकल साइंस वाली सर्टिफिकेट नकली है। ऊ कहते हैं तुम्हारी इंजीनियर वाली नकली है। ई मंत्री कहते हैं ऊ मंत्री शिक्षा विभाग की कैसे बन गई उसके पास तो कोई सर्टिफिकेट ही नहीं है। ऊ बोले आपके पास मैरेज का प्रमाण पत्र जाली है।

मुसीबत रुकने का नाम ही नहीं लेती। लगता है सब फर्जी हैं और सब जाली। हम अपनी डिग्री निकाल कर देखे वह भी जाली निकली। कोई फबती कसता है कि प्रदेश प्रधान नौवां फेल है। अमेरिका में यू एन ओ में काम करने वाला कहता है कि हमारा काम ही हमारी डिग्री है। चुनावी रणनीतिकार घूम घूम के सारे देश में राजनीतिक पार्टियों को चूना लगाता है और कहता है हम सिद्धांत की राजनीति करेंगे।

कहाँ तक किंचड़ में पत्थर मारूँ। पहले ही बता चुका हूँ कि अपना सारा सर्टिफिकेट नकली है। जरा ठहरिये, एक बात बता दूँ। भूतपूर्व प्रधान मंत्री के साथ पढ़ने वाले एक चापलूस ने जब चापलूसी छोड़ दी तब उसे याद आया कि जिसकी वह चापलूसी करता था वह तो कैंब्रिज में भी फेल हो गया था और फिर उसने किसी स्कूल में नाम लिखा लिया था वहाँ भी फेल हो गया था।

स्वर्गीय प्रधान के वचाव में आए उनकी पार्टी के एक प्रवक्ता और बोले, दिल देखो, चेहरा ना देखो। हमारे नेता जी के काम देखो डिग्री मत देखो।

जब काम से सबकुछ तय होना है तो नकली सर्टिफिकेट वाले पायलट की नौकरी क्यों चली जाती है? नकली प्रोफेसर , नकली डॉक्टर और नर्स की नौकरी क्यों ले लेते हो? उनके काम क्यों नहीं देखते? आप लोग इस मनहूस प्रश्न पर असली विचार कीजिए तब तक शुभं भवतु मंगलं भवतु◊◊

Editorial

Coca-Cola Recalls: A Question about Consumer Safety

Coca-Cola, one of the world's most popular beverage brands, is once again under scrutiny after multiple product recalls in various parts of the world. These recalls, stemming

from chemical contamination, mislabeling, and presence of foreign objects, have raised serious concerns about consumer safety and quality control in mass-produced beverages.

In January 2025, Coca-Cola recalled several products, including Coca-Cola, Fanta, Minute Maid, Sprite, and Tropico, from major European countries such as Belgium, Britain, France, Germany, Luxembourg, and the Netherlands. The reason was excessive chlorate levels, a chemical by-product from chlorine-based sanitizers used in water processing. Chlorate, in high doses, can damage the thyroid gland and pose severe health risks.

This incident exposed a major lapse in Coca-Cola's quality control, raising public concern about the safety of widely consumed beverages.

This was not the first time Coca-Cola faced a recall. In October 2024, the company withdrew over 13,000 cases of Minute Maid Zero Sugar Lemonade in the United States due to mislabeling. The product, labeled as sugar-free, was later found to contain sugar, posing serious health risks for people with diabetes or sugar-related conditions.

Additionally, in December 2021, Coca-Cola recalled some Minute Maid products due to the presence of metal particles,

further questioning the company's quality assurance processes.

Coca-Cola responded promptly in each case, recalling the affected products and issuing public apologies. It raises a critical question: Can consumers still rely on big brands for safe products?

While Coca-Cola claims to prioritize consumer health, these incidents demonstrate serious gaps in their quality control. The chlorate contamination in Europe and sugar mislabeling in the U.S. highlight how oversight in production processes can pose serious health hazards.

The recent global recalls are a stark reminder that mass-market products can pose potential health risks if quality control is compromised. Companies must remember that consumer trust is built on consistent quality, not mere apologies.

Coca-Cola's recent recalls are a wake-up call for both regulators and consumers. It is time for stricter quality checks, and companies must prioritize consumer health over profits. Until then, consumers must exercise caution while choosing packaged beverages, regardless of how popular the brand may be.◊◊

हिन्दी फिल्मों में होली के गीत



[शिवाँशु माली टुनटुन]

रंगो का उत्सव होली भारतीय संस्कृति का एक अनमोल त्यौहार है। सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का यह त्यौहार सनातन काल से ही है। जो अंदर की बुराई को जलाकर व्यक्तित्व के स्वरूप को सतरंगी बनाकर प्रस्तुत करता है।

हिन्दी फिल्में भी होली के रंग से अछूती नहीं रह सकीं।

निर्देशक महबूब खान ने संगीतकार अनिल विश्वास के साथ 1940 में फिल्म "औरत" में सर्वप्रथम होली के गीतों से दर्शकों को रंग विभोर कर दिया था। दर्शकों ने सिनेमा हॉल में अपने आप को होली के रंग बिरंगे रंगों में भींगा महसूस किया। गीत का मुखड़ा था ------ " जमना के तट पर श्याम खेले होली....!" दर्शको की पसंद को देख कर अन्य निर्माता भी होली की दृश्य का फिल्मांकन करने लगे।

उस दौर की मशहूर गायिका गीता दत्त द्वारा गायी "यौवन" फिल्म का होली बहुत ही लोकप्रिय हुआ था। गीत के बोल थे "डालो रे रंग डालो रे रसिया... "

महबूब खान ने हिन्दी सिनेमा की पहली टेक्नीकलर फिल्म "आन" साल 1952 बनाया। यह फिल्म उस दौर की सबसे मंहगी फिल्म थी। इस फिल्म में भी होली का गीत डाला गया था । गीत के बोल थे, " खेलो रंग हमारे संग आज दिन रंग....! " गायिका शमशाद

बेगम की स्वर में इसका फिल्मांकन खूबसूरत मनोरम घाटी और स्टूडियो के समिश्रण के साथ ही बहुत ही आकर्षित रुप में किया गया था।

साल 1957 महबूब खान की कालजयी फिल्म "मदर इंडिया" बनी। इस फिल्म में भी इन्होंने संगीतकार नौशाद के साथ शमशाद बेगम की आवाज में " होली आई रे कन्हाई....! " होली के गीत को परोसा। फिल्म के साथ-साथ यह होली गीत भी कालजयी होकर होली में बजने वाले गीतों में सर्वप्रिय है।

29 जनवरी 1971 में निर्माता- निर्देशक शक्ति सामन्त ने फिल्मी दुनिया के पहले सुपर स्टार राजेश खन्ना पर होली गीत फिल्माया। फिल्म थी "कटी पतंग" गीतकार आनन्द बक्शी के होली के गीत को संगीत में पिरोया था राहूल देव वर्मन ने। "आज ना छोड़ेगे बस हम जोली...!! " होली के हुल्लड़ को परवान चढ़ा दिया गीत ने । उसपर से राजेश खन्ना की अदा, जो महिलाओं को विशेष आकर्षित करती थी, फिल्मों की सफलता के लिए होली गीत की मांग बढ़ा दी।

हर बड़ी फिल्म के बड़े निर्माता, निर्देशक अपनी फिल्मों मे होली के गीत की आवश्यकता महसूस करने लगे। सदी की बड़ी फिल्म "शोले" में रंगो के इस उत्सव को डालकर होली गीत को फिल्माया गया था। दोनों को आशातीत सफलता मिली।

पारिवारिक फिल्मों के निर्माता राजश्री प्रोडक्शन ने भी ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म "नदिया के पार" में शुद्ध गंवई होली को डाला था। गीत का मुखड़ा, अंतरा और जोगीरा का सटीक फिल्मांकन किया गया था। फिल्म और फिल्म के गीत आज भी लोकप्रिय हैं।

हिन्दी सिनेमा के शताब्दी महानायक अमिताभ बच्चन के निजी जीवन से मेल खाती होली को निर्माता- निर्देशक यश चोपड़ा ने फिल्म "सिलसिला" में प्रस्तुत किया। यह गीत होली के श्याम पक्ष को उजागर करती है। अभिनेता अमिताभ की आवाज में गायी यह होली गीत " रंग बरसे भीगे चुनर वाली...!! " ने भारतीय संस्कृति के दोहरे आचरण वाले चरित्र पर तंज ही किया है। परन्तु यह फिल्म की कहानी की मांग के आधार पर सटीक चित्रांकन के साथ ही बेहतरीन तरीके से फिल्मांकन किया गया है। होली की हुल्लड़ के साथ यह गीत समाज के दोहरे चरित्र वालो की पसन्दीदा गीत बन गयी।

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के लिए पूरबी मिज़ाज के गीतकार समीर ने फिल्म "बागवान" के लिए होली गीत लिखा। यह गीत भारतीय धार्मिक, सांस्कृतिक दर्शन से अभिप्रेत है। गीत के बोल है, " होरी खेले रघुवीरा अवध में.....! "इस तरह हर दशक में एक से एक मनोरम दृश्य के साथ मनोरंजन के लिए हिन्दी फ़िल्मों में होली के दृश्यों और गीतों का सहारा लिया गया है।

हिन्दी सिनेमा के बिग शो मैन सुभाष घई ने फिल्म "सौदागर" में होली का सार्थक संदेश प्रस्तुत किया। फिल्म की कहानी में बचपन के दो दोस्त दिलीपकुमार और राजकुमार में आई 25 सालों की दुश्मनी को पुनः होली में सरोबार करके मित्रता की लय को प्रगाढ़ किया है। इसका बहुत ही बढ़िया प्रस्तुति करण किया गया है। गीत के बोल में भी बचपन से जवानी तक की आत्मीयता जीवन्त रख बुढ़ापे को रंगीन किया गया है।

होली की यही सच्चाई है कि हम वैमनस्य को त्याग कर रंगो की तरह आपस में मिलकर ज़िन्दगी की सजीवता को बरकरार रखें। ◊◊

चैम्पीयन ट्रॉफी के कुछ अटपटे यादगार क्षण और विवाद

[कार्यालय प्रतिनिधि द्वारा]

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और भारत से जुड़ी कई विवादित घटनाएं और सुरक्षा चिंताएं सामने आई हैं, विशेष रूप से क्रिकेट और भू-राजनीति के संदर्भ में।

लाहौर में भारतीय ध्वज विवाद

चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान लाहौर में एक मैच के दौरान, एक दर्शक को भारतीय झंडा लहराने के कारण हिरासत में लिया गया और कथित तौर पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा मारपीट की गई। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रशंसकों के साथ व्यवहार और राष्ट्रीय प्रतीकों को लेकर बहस छेड़ दी है।

ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रगान की जगह भारतीय राष्ट्रगान

इसी टूर्नामेंट में एक और विवाद तब खड़ा हुआ जब मैच शुरू होने से पहले गलती से भारत का राष्ट्रगान बजा दिया गया, जबकि वहां ऑस्ट्रेलिया का "एडवांस ऑस्ट्रेलिया फेयर" बजाया जाना था। इस गलती से ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों और अधिकारियों में रोष फैल गया, और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) से इस मामले में सफाई मांगी।

सुरक्षा चिंताएं लेकर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री द्वारा पाकिस्तान को किसी प्रत्यक्ष चेतावनी की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के विदेश मामलों के विभाग ने पाकिस्तान को लेकर एक कड़ा यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें आतंकवाद, अपहरण और हिंसा के खतरे का हवाला देते हुए ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को पाकिस्तान की अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

ये घटनाएं क्रिकेट कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं को उजागर करती हैं।

क्रिकेटर मोहम्मद शमी पर नवाज तोड़ने का आरोप

उस समय विवादों में आ गए जब उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते समय एनर्जी ड्रिंक का सेवन किया, जो रमज़ान के पवित्र महीने के दौरान हुआ।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रिज़वी बरेलवी ने शमी को इस्लामी शरीयत कानून के तहत "अपराधी" करार दिया और कहा कि उनका यह कृत्य अन्य लोगों के लिए गलत उदाहरण पेश करता है।

शमी के बचाव में उनके चचेरे भाई **मुमताज़** ने कहा कि शमी देश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे कई खिलाड़ी मैच खेलने के दौरान रोज़ा नहीं रखते।

उन्होंने इस विवाद को "शर्मनाक" करार दिया और शमी को आगामी मैच पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

हालांकि, इस विवाद के बावजूद, **मोहम्मद शमी ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया**, 10 ओवर में 48 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए और भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

दुबई पिच को लेकर प्रतिक्रियाएं: दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच को लेकर समय-समय पर चैम्पीयन ट्रॉफी के शुरू से होने के पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय से मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ आई हैं। बल्लेबाजों, गेंदबाजों, कोचों और क्रिकेट विशेषज्ञों ने इस पिच की विशेषताओं को लेकर अपनी राय दी है। लेकिन कहा जा रहा है कि भारत अपने सारे मैच दुबई में ही खेल रहा है इसलिए उसको इसका फायदा भी मिल रहा है।

कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि दुबई की पिच संतुलित होती है, जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मौके मिलते हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान **माइकल वॉन** ने कहा था कि दुबई की पिच बल्लेबाजी के लिए शुरुआत में अच्छी होती है, लेकिन मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनरों को मदद मिलती है।

ऑस्ट्रेलिया के **रिकी पोंटिंग** ने भी इसे "फेयर विकेट" कहा है, जहां दोनों टीमों को बराबरी का मौका मिलता है।

कई क्रिकेट टीमें इस बात को स्वीकार कर चुकी हैं कि दुबई की पिच स्पिनरों के अनुकूल होती है।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर **वसीम अकरम** ने कहा कि "दुबई की पिच भारतीय उपमहाद्वीप की पिचों जैसी होती है, जहां स्पिनर मैच का रुख बदल सकते हैं।"

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमें, जो तेज गेंदबाजों पर निर्भर रहती हैं, कभी-कभी इस पिच पर संघर्ष करती हैं।

कई खिलाड़ियों और कोचों ने शिकायत की है कि दुबई की पिच पर रात के समय ओस गिरने से गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ जाती हैं।

न्यूजीलैंड के कप्तान **केन विलियमसन** ने कहा था कि "रात के मैचों में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना आसान हो जाता है, जिससे टॉस बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।"

कई टीमें पहले गेंदबाजी करना पसंद करती हैं, जिससे टॉस जीतने वाली टीम को फायदा मिलता है।

दुबई की पिच को टी20 और वनडे मैचों के लिए अच्छी माना जाता है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में इसे "धीमा" और "बल्लेबाजों के अनुकूल" कहा गया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान **स्मिथ** ने कहा था कि "टेस्ट मैचों

में यह पिच शुरुआती दो दिनों में अच्छी रहती है, लेकिन बाद में बहुत धीमी हो जाती है, जिससे तेज गेंदबाजों को कोई फायदा नहीं मिलता।"

कई अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि दुबई की पिच भारतीय टीम के लिए अनुकूल है, क्योंकि भारतीय खिलाड़ी स्पिन खेलने में माहिर होते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट विश्लेषक **टॉम मूडी** ने कहा कि "भारत के स्पिन गेंदबाज और तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज दुबई की पिच पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।"

इधर लाहौर से खबर आ रही है कि एक विदेशी खिलाड़ी के करोड़ से ऊपर की घड़ी चोरी चली गई है, पुलिस ने पाँच लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान **शाहिद अफरीदी** ने भी माना कि भारतीय टीम दुबई की पिचों पर सहज महसूस करती है, क्योंकि उनका घरेलू क्रिकेट भी इसी तरह की पिचों पर खेला जाता है।

ODI में पहली पारी का औसत स्कोर इस पिच पर 250-270 रनों का है। इतने रन तो इस पिच पर इस स्पर्धा में पहली बार खेलने वाली टीमें बना ही रहीं हैं फिर शोर क्यों मचा रहें हैं लोग।

पाठक स्वयं निर्णय करें कि क्या वास्तव में भारत को पिच का फायदा मिलने वाला है। चैम्पीयन ट्रॉफी का फाइनल रविवार को होने वाला है। भारत ने जब आतंकी गतिविधियों के चलते पाकिस्तान में खेलेने से मना

कर दिया तो यह तय हुआ कि भारत अपने सारे मैच दुआई में खेलेगा। भारत ने एक कर सारी टीमों को हराया और न्यूजी लैंड को हराने के बाद यह साफ हो गया कि फाइनल भी भारत दुबई में खेलेगा। इसके बाद इस प्रकार के बयान आने लगे कि भारत को एक ही पिच पर खेलने के कारण बढ़त और फायदा मिल रहा है।इधर लाहौर से खबर आ रही है कि एक विदेशी खिलाड़ी के करोड़ रुपये से ऊपर की घड़ी चोरी चली गई है, पुलिस ने पाँच लोगों को गिरफ्तार भी किया है।◊◊

आदित्यपुर रेलवे-स्टेशन पुनर्विकास परियोजना



[सूर्यनारायण सिंह द्वारा]

चीर प्रीतिक्षित आदित्यपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और विस्तार को क्षेत्रीय रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, किसी भी परियोजना की सफलता केवल इसकी घोषणाओं और संरचनात्मक विकास पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसके प्रभाव, क्रियान्वयन की गुणवत्ता और दीर्घकालिक लाभ पर भी निर्भर करती है।

इस महत्वाकांक्षी योजना में एयर-कंडीशंड रिटायरिंग रूम, वेटिंग एरिया, टिकट काउंटर, और वाई-फाई जैसी आधुनिक सुविधाएँ यात्रियों के अनुभव को बेहतर के लिए शामिल की जाएंगी ।बैटरी-ऑपरेटेड वाहन वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग यात्रियों के लिए राहतकारी होंगे।

बुनियादी ढांचे में जो सुधार किए जाएंगे उनमें प्रमुख नया फुट ओवर-ब्रिज और विस्तारित प्लेटफार्म ट्रेनों के संचालन को अधिक कुशल बनाएंगे। स्टेशन के अंदर और बाहर भीड़भाड़ कम होगी, जिससे यातायात सुगम होगा।

स्टेशन के उन्नयन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आसपास के व्यवसायों को भी लाभ होगा। आदित्यपुर जमशेदपुर के एक औद्योगिक क्षेत्र के रूप में पहले से ही कमोबेश विकसित क्षेत्र है। पार्सल और गोदाम की नई सुविधाएँ व्यापारियों और उद्योगों के लिए फायदेमंद साबित होंगी।

इस नए रेल ट्रैक के जुड़ने से ट्रेनों की आवाजाही और संचालन में सुधार होगा, जिससे मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों को समय पर परिचालित किया जा सकेगा। फिलहाल यह सुविधा नहीं होने के कारण कई ट्रेन आदित्यपूर समय पर पहुँचने के बावजूद विलंबित हो जाती हैं।

मूल रूप से यह परियोजना अगस्त 2022 तक पूरी होनी थी, लेकिन समय सीमा बढ़ाकर जुलाई 2023 और फिर आगे बढ़ा दी गई।

निर्माण कार्य में देरी से लागत बढ़ जाती है और यात्रियों को असुविधा होती है। परियोजना में देरी से बजट में भी वृद्धि होती है।

यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सभी सुविधाएँ वास्तव में उपयोगी हों और सिर्फ दिखावटी न हों। क्या सभी प्लेटफार्मों पर

पर्याप्त लिफ्ट और एस्केलेटर हैं? दिव्यांगों और बुजुर्ग यात्रियों के लिए क्या विशेष सुविधाएँ पर्याप्त हैं? इन प्रश्नों का उत्तर सकारात्मक होने पर ही योजना अच्छी समझी जाएगी। भारतीय रेलवे में अक्सर देखा जाता है कि नए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं होती, जिससे कुछ ही वर्षों में उनकी मरम्मत की आवश्यकता पड़ती है। क्या रेलवे स्टेशन की नई इमारतें और पुल टिकाऊ और हैं? कार्य का अच्छी तरह इन्स्पेक्शन होना चाहिये। प्रसाशन को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि यह परियोजना भ्रष्टाचार की भेंट ना चढ़ जाए।



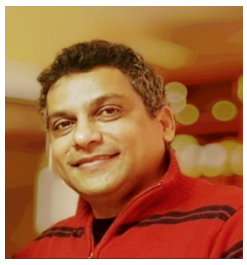
भीड़भाड़ कम करने के लिए यदि पर्याप्त सुरक्षा उपाय और रेलवे पुलिस बल की तैनाती नहीं की गई तो यात्रियों को होने वाली असुविधा दूनी हो सकती है। क्या स्टेशन के बाहर ऑटो, टैक्सी, और बस स्टैंड को सुव्यवस्थित किया गया है, ताकि अव्यवस्था न फैले? यह कार्य अभी तक टाटानगर रेल स्टेशन के लिये नहीं हो सका है, इसलिए शंका का स्थान रह ही जाता है। खड़गपुर-आदित्यपुर तीसरी रेल लाइन परियोजना अभी पूरी नहीं हुई है, जिससे इसका पूर्ण लाभ यात्रियों और मालगाड़ियों को नहीं मिल पा रहा है।

क्या तीसरी रेल लाइन वास्तव में भविष्य की मांग को पूरा कर सकेगी? यह भी एक जीवंत सवाल है। इस परियोजना के संभावित लाभ तो अनेक हैं लेकिन लेकिन संभावित चुनौतियाँ भी कम नहीं।

एक बात तो तय है कि जमशेदपूर से आदित्यपुर ट्रेन पकड़ने जाने वाले यात्रियों को पहले से दुगना भाड़ा पहुँचने के लिए करना पड़ेगा। मंहगाई की मार झेलती जनता अगर वास्तव में सुविधा पा सकी तो वह सहन कर लेगी। ◊◊

ऑस्कर अवॉर्ड: २०२५ विजेता सूची

[पीटर द्वारा] ९७वें अकादमी अवॉर्ड्स 2 मार्च २०२५ को



लॉस एंजेलेस के डॉल्बी थिएटर में आयोजित किए गए, जहां सिनेमा में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। यहां प्रमुख श्रेणियों के विजेताओं की सूची दी गई है:



सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म: *अनोरा*

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक: सीन बेकर (*अनोरा*)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता: एड्रियन ब्रॉडी (*द ब्रूटलिस्ट*)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री: मिके मैडिसन (*अनोरा*)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता: कीरन कल्किन (*ए रियल पेन*)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री: ज़ो सलदाना (*एमिलिया पेरेज़*)

सर्वश्रेष्ठ मौलिक पटकथा: *अनोरा*

सर्वश्रेष्ठ रूपांतरित पटकथा: *द सब्सटेंस*

सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फ़ीचर फ़िल्म: *आई एम स्टिल हियर* (ब्राज़ील)

सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फ़ीचर: *फ्लो*

ऑस्कर 2025 की सबसे बड़ी जीत अनोरा के नाम रहा *अनोरा* ने कुल 5 **ऑस्कर** जीते, जिनमें **सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ मौलिक पटकथा और सर्वश्रेष्ठ संपादन** शामिल हैं। इस जीत के साथ, निर्देशक **सीन बेकर** एक ही रात में चार ऑस्कर जीतने वाले पहले फिल्ममेकर बन गए।

एमिलिया पेरेज़ को सबसे अधिक 13 **नामांकन** मिले, लेकिन इसे केवल 2 **पुरस्कार** मिले - सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री (ज़ो सलदाना) और सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत।

इस साल के समारोह की मेजबानी **कोनन ओ'ब्रायन** ने की।

एक विशेष श्रद्धांजलि **जेम्स बॉन्ड फ्रेंचाइज़ी** को दी गई, जिसमें इसके दशकों से चले आ रहे सांस्कृतिक प्रभाव को सराहा गया।

कुल मिलाकर, **ऑस्कर 2025** ने विविध प्रतिभाओं और कहानियों को उजागर किया, जो फिल्म उद्योग के बदलते परिदृश्य को दर्शाता है।

हिंदी शॉर्ट फिल्म अनुजा (*Anuja*) को **सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म** के लिए नामांकित किया गया था, लेकिन यह **डच साइ-फाई शॉर्ट फिल्म** ***I'm Not a Robot*** से हार गई।◊◊

भारतीय शार्टस फिल्म अनुजा (Anuja) अपने केटेगोरी में अवॉर्ड से एक कदम पीछे रह गई



[कार्यालय प्रतिनिधि द्वारा]

एडम जे. ग्रेव्स द्वारा निर्देशित 'अनुजा' एक नौ वर्षीय प्रतिभाशाली लड़की की कहानी है, जो दिल्ली के एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करती है। जब उसे स्कूल जाने का दुर्लभ मौका मिलता है, तो उसे एक कठिन निर्णय का सामना करना पड़ता है, जिससे उसकी और उसकी बहन पलक की जिंदगी प्रभावित होती है। इस फिल्म में सजदा पठान और अनन्या शानभाग ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। इसे प्रियंका चोपड़ा जोनास, मिंडी कालिंग और गुनीत मोंगा ने कार्यकारी निर्माता के रूप में समर्थन दिया। फिल्म का प्रीमियर 17 अगस्त 2024 को हॉलीशॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ और इसे जबरदस्त सराहना मिली। हालांकि, अपनी भावनात्मक गहराई और दमदार अभिनय के बावजूद, यह ऑस्कर जीतने से चूक गई।

फिल्म आई एम नॉट ए रोबोट (I'm Not a Robot)

ऑस्कर जीतने वाली फिल्म I'm Not a Robot, विक्टोरिया वॉर्मरडैम द्वारा निर्देशित डच-भाषा की विज्ञान-कथा शॉर्ट फिल्म है। लारा, एक म्यूजिक प्रोड्यूसर, की कहानी बताती है, जो बार-बार कैप्चा (CAPTCHA) टेस्ट में फेल होने के बाद खुद को लेकर संदेह करने लगती है—क्या वह वास्तव में इंसान है? यह गहरी व्यंग्यात्मक और विचारोत्तेजक फिल्म कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आत्म-निर्णय और मानव अस्तित्व जैसे विषयों पर आधारित है। इसका

प्रीमियर 23 सितंबर 2023 को नीदरलैंड्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और यह ऑस्कर जीतने वाली पहली डच शॉर्ट फिल्म बनी।

दोनों फिल्मों ने दर्शकों को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित किया– Anuja ने एक संवेदनशील सामाजिक संदेश दिया, जबकि I'm Not a Robot ने तकनीक और पहचान को लेकर एक अनोखी कहानी प्रस्तुत की।◊◊

आस्कर अवार्ड विजेता फिल्म : "अनौरा"

[शिवाँशु माली 'टुनटुन']



लास एंजिल्स के डाल्बी थिएटर में छाई रही शॉन बेकर द्वारा निर्देशित **"अनौरा"** जिसने अपनी ओर व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। यह फिल्म गत वर्ष नवम्बर 2024 में सिनेमा घरों में प्रदर्शित हुई थी।

गत रविवार को आस्कर के भव्य समारोह में 'विकेड', 'ड्यून: पार्ट टू', ' द ब्रूटलिस्ट', ' ए कम्प्लीट अननोन' , 'कान्क्लेव', 'एमिलिया पेरेज', 'आइ एम स्टिल हेयर' , 'द सब्सटेंस' और 'निकेल ब्यायज' से रेस करती हुई सबसे आगे निकल कर आस्कर अवार्ड को जीत गई रोमांटिक, ट्रेजेडी कामेडी बोल्ड फिल्म "अनौरा"।

नायिका प्रधान इस फिल्म की नायिका मिकी मेडिसन को उनकी शानदार जीवन्त और सशक्त महिला यौन कर्मी की अभिनय के लिए

मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार। **"अनौरा"** को अपनी नवीन कहानी और दमदार अभिनय के लिए खूब सराहा गया है।

निर्देशक शॉन बेकर की इस फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ मूल-पटकथा, सर्वश्रेष्ठ सम्पादन सहित कुल पांच पुरस्कार पाने में सफल रही। **"द गार्जियन"** के अनुसार, मिक्की मैडिसन (Mikey Madison) का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा, जहाँ उन्होंने अनी के किरदार की जटिलताओं को "हास्य और त्रासदी के मेल" के रूप में उकेरा।

"द गार्जियन" के अनुसार, मिक्की मैडिसन (Mikey Madison) का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा, जहाँ उन्होंने अनी के किरदार की जटिलताओं को "हास्य और त्रासदी के मेल" के रूप में उकेरा।

ध्यातव्य हो कि 'अनौरा' को कांस फिल्मोत्सव में भी "पाल्स डिओर" पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

फिल्म की कथा एक यौन कर्मी को केन्द्र मे रखकर रोमांस और दुख के साथ कामेडी का पुट डालकर एक तिरस्कृत जीवन को जीवन्त तरीके से पर्दे पर परोसा गया है।

नायिका एक सेक्स वर्कर है, जो गरीबी से संघर्ष करती दुखदायी जीवन जी रही है। अनौरा उर्फ 'अनि' न्यूयॉर्क के स्ट्रीप क्लब से जुड़ी है जिसको एक सेक्स वर्कर के रूप में दिखलाया गया है। अनी एक रूसी अरबपति के बेटे वान्या (Vanya) से शादी कर लेती है। यह फिल्म सत्ता के समीकरणों, वर्ग असमानता, और समकालीन रिश्तों में व्यक्तिगत अधिकार जैसे विषयों की गहरी पड़ताल करती है।

फिल्म में टर्न तब आता है जब वान्या के घर वाले अनौरा को स्वीकार करने से अस्वीकार कर देते हैं। वे उसकी शादी को रद्द करने की कोशिश करते हैं।

फिल्म का अंत दर्शकों के लिए खुला छोड़ दिया गया है और इसकी **व्याख्या कई तरह से की जा रही है**। आखिरी दृश्य में अनी के भावनात्मक टूटन को **उसके आत्मबोध और उसके शोषण की वास्तविकता को समझने की प्रक्रिया** के रूप में देखा जा रहा है। निर्देशक शॉन बेकर ने इशारा किया है कि यह दृश्य दर्शकों को अनी के भविष्य पर विचार करने के लिए छोड़ देता है।

हालांकि, फिल्म को कुछ आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा, खासकर सेक्स वर्कर समुदाय से। कई लोगों का मानना है कि **"अनौरा"** सेक्स वर्क की एक संकीर्ण और रोमांटिक छवि प्रस्तुत करती है, जो इस पेशे के व्यापक और जमीनी हकीकतों से कटी हुई लगती है। ईस्ट लंदन स्ट्रिपर्स कलेक्टिव के कुछ सदस्यों का कहना है कि **फिल्म ने केवल दृश्यता बढ़ाने का काम किया लेकिन गहरे सामाजिक मुद्दों या नीति सुधारों पर ध्यान नहीं दिया**।

इस फिल्म में सेक्स संबंधी दृश्यों को काफी खुलकर दिखाया गया है, जो इसे मुख्यधारा की हॉलीवुड फिल्मों से अलग बनाता है। **"द टाइम्स"** की एक रिपोर्ट के मुताबिक, **"अनौरा"** ने उन परंपरागत वर्जनाओं को तोड़ा है जो हॉलीवुड में लंबे समय से चली आ रही हैं, और यह दिखाने की कोशिश की है कि सहमति से बने संबंधों को सिनेमा में किस तरह चित्रित किया जाना चाहिए।

इस फिल्म में मार्क एडेलेस्टिन, युरावारिसोव, कैरन करा गुलियन, वाचे टोवमास्यान और अलेक्जइ सेरेयाब्रकोव ने भी अपने अभिनय का प्रभावशाली छाप छोड़ा है।

निर्देशक शॉन बेकर ने इस फिल्म में ज्यादा तर सेक्स वर्करों से पहली बार अभिनय कराया जो कभी अभिनय किए ही नहीं थे। साथ ही उन्होंने कई जगह स्पीच दिया है कि सेक्स वर्कर को घिनौना और तिरस्कृत नजर से न देखा जाए। उनके हित और सम्मान के हितैषी बनें। उन्हें अपराधी न समझें।

संक्षेप में कहा जाए तो **"अनौरा" सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म** है, जो **प्रतिनिधित्व, कथा की जिम्मेदारी और सिनेमा में सेक्स व आत्मनिर्णय की बदलती छवि** पर महत्वपूर्ण बहस छेड़ती है। इस फिल्म की आलोचनात्मक और व्यावसायिक सफलता, साथ ही इसके इर्द-गिर्द उठी बहसें, यह दर्शाती हैं कि इसका **सिनेमा जगत और समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा है।**

वैसे शॉन बेकर सेक्स वर्कर पर पहले भी चार पांच फिल्म बना चुके हैं।◊◊

संक्षिप्त समाचार



[केसरी नारायण सिंह द्वारा संकलित]

🔸देखा और खरीद लिया, यह कोई फ्रिज या वॉशिंग मशीन नहीं... अमेरिका के F-35 विमानों की खरीद पर बोले वायुसेना प्रमुख

🔸रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, 25 से अधिक लोगों की मौत, जेलेंस्की को ट्रंप से पंगा लेना पड़ा महंगा

🔸कर्नाटक में सीएम पद के लिए घमासान, खरगे बोले- साथ मिलकर काम करें सिद्धारमैया-शिवकुमार

🔸'पहलवान है, इसी तरह बोलेगा...', संभल CO अनुज चौधरी के बचाव में CM योगी, होली वाले बयान पर था हंगामा

🔸महिलाओं को एक हत्या करने से छूट दी जाए... शरद पवार की पार्टी के नेता ने राष्ट्रपति से ये मांग की

🔸राजस्थान में पहली बार...जहां चर्च था, मंदिर बनेगा: ईसाई धर्म के क्रॉस की जगह भगवान की प्रतिमा, बाइबल की जगह जय श्रीराम के नारे

🔸अपने सपनों का पीछा करें लड़कियां: शतरंज खिलाड़ी वैशाली ने प्रधानमंत्री के 'एक्स' अकाउंट पर लिखा

🔸संसद में किए गए वादे से बंधी है सरकार: जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिए जाने पर बोले फारूक अब्दुल्ला

🔸राहुल गांधी ने कहा- भाजपा के लिए काम करने वाले कांग्रेस नेताओं को छांटने की जरूरत, दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

🔸साल की पहली लोक अदालत में निपटाए गए डेढ़ करोड़ से अधिक मामले, खिल उठे लोगों के चेहरे

🔸गुजरात दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी पर भाजपा का तीखा हमला, कहा- वे विदेश में किससे मिलते हैं बताएं

🔸कर्नाटक में इजराइली पर्यटक और होमस्टे मालिक के साथ बलात्कार, पुरुष मित्र की हुई हत्या

🔸धर्मांतरण कराने वालों को मिलेगी फांसी की सजा! CM मोहन यादव का बड़ा ऐलान

🔸पंजाब के लुधियाना में जोरदार धमाका, बिल्डिंग गिरी, कई लोग मलबे में दबे

🔸केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की दो टूक 'देश को ऐसे समाज की जरूरत' 'जहां लिंग, जाति या धर्म आधार पर भेदभाव न हो'

🔸'भारत टैरिफ में कटौती पर हो गया है राजी', अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

🔸वायुसेना का विमान बंगाल में क्रैश, कुछ घंटों में दूसरा हादसा; पहले गिरा था जगुआर

🔸Rupee vs Dollar: डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी मजबूत, 20 पैसे उछला...

🔸Women's Day 2025: महिला दिवस पर मिलेगा बड़ा तोहफा, ताजमहल सहित अन्य स्मारकों में महिलाओं को फ्री एंट्री

🔸Aaj Ki Khabar live: म्यांमार के विद्रोही क्षेत्र को भारत ने विलय का दिया प्रस्ताव, चिनलैंड काउंसिल के साथ सांसद की मीटिंग

🔸भारतीय टी-72 टैंक में बजेगा नई ताकत का डंका, रूस से 2000 करोड़ रुपये का सौदा

🔶दिल्ली में 'महिला समृद्धि योजना' के लिए आज से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन! हर महीने अकाउंट में आएंगे 2500 रुपये

🔶US Travel Ban on Pak: डोनाल्ड ट्रंप लगाने जा रहे ट्रैवल बैन... अमेरिका की सीमा में दाखिल नहीं हो सकेगा कोई पाकिस्तानी नागरिक

🔶जमानत के बावजूद 24 हजार से ज्यादा कैदी जेल में: 50% से ज्यादा MP-UP, बिहार से; बेल की राशि नहीं भर पाने के कारण बंद हैं

🔶कर्नाटक में मस्जिद के इमाम को ₹6000 मासिक भत्ता: सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4% आरक्षण; भाजपा बोली- बजट औरंगजेब से प्रेरित

🔶गुजरात के नवसारी में 34,000 से अधिक महिलाएं बनीं 'लखपति', सरकारी मदद से शुरू किया अपना उद्यम

🔶PM ने कहा- हमने गरीबों को 32 लाख करोड़ दिए: हमें गाली देने वालों को यह नहीं पता कि 32 लाख में कितने जीरो होते हैं

🔶Trump Tariff: टैरिफ वार की आशंका के बीच नरम पड़े राष्ट्रपति ट्रंप, मेक्सिको को दो अप्रैल तक दे दी छूट

🔶ब्रिटेन में जयशंकर की सुरक्षा में सेंध को लेकर भारत ने की निंदा, ब्रिटिश उच्चायोग से भी जताया विरोध

🔶बाबूलाल मरांडी सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल के नेता चुने गये, बनेंगे झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

🔶महाकुंभ में 30 करोड़ कमाने वाले नाविक की कहानी: मां-पत्नी के जेवर गिरवी रखे, 70 नावें खरीदीं, योगी ने सुनाई सक्सेस स्टोरी

🔶कन्नड़ एक्ट्रेस के फ्लैट से 2 करोड़ का सोना जब्त: 2.7 करोड़ कैश बरामद; 3 दिन पहले 14.2 किलो सोने के साथ गिरफ्तार हुई;

🔶जम्मू-कश्मीर मसले का एकमात्र हल पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले हिस्से की वापसी: जयशंकर

🔶अमेरिका से डिपोर्ट हुए भारतीयों के मामले में ED की Entry, 11 यात्रियों को समन जारी

🔶नाइट गाउन में मिली महिला की लाश, दोनों पैरों के तलवों में ठोकी गई थीं 5-5 कील... बिहार में हैरान करने वाला मामला

🔶फलस्तीनियों ने 10 भारतीयों को बंधक बनाया, पासपोर्ट छीने; 1 माह बाद इजरायल ने बचाया

🔶MP के बैतूल में कोयला खदान की स्लैब गिरने से बड़ा हादसा; सुपरवाइजर समेत 3 की मौत

🔶US के बिना पूरा होगा 'अमेरिकन ड्रीम', अमेरिका की टेक और मेडिकल इंडस्ट्री भारतीयों पर टिकी

🔶कहां से आ रहा है सोना... बेंगलुरु में एक्ट्रेस रान्या राव केस के बाद अब मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 21 किलो सोना

🔶 सुप्रीम कोर्ट में जज बनेंगे कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस बागची, कॉलेजियम ने की सिफारिश

🔶'BJP की नीतियों को आगे बढ़ा रही है NC', महबूबा मुफ्ती का आरोप; बोलीं- भाजपा के एजेंट हैं CM उमर अब्दुल्ला

🔶ट्रंप ने किया इशारा! कल से शुरू होगा टैरिफ वॉर, कनाडा-चीन समेत कई देशों पर US कसेगा नकेल

🔶पंजाब सीएम से किसानों की मीटिंग रही बेनतीजा: चंडीगढ़ में 5 मार्च को मोर्चा लगाएंगे किसान, बोले- मुख्यमंत्री बैठक छोड़कर चले गए

🔶VIDEO: महिला नेता का शव सूटकेस में ले जाते दिखा आरोपी: फेसबुक फ्रेंड ने पहले चुन्नी से हाथ-पैर बांधे, फिर गला घोंटा था

🔶आकाश आनंद को मायावती ने पार्टी से ही निकाला, बोलीं- पश्चाताप नहीं, अहंकार दिखाया

🔶बिहार: 1.40 लाख और पदों पर होगी भर्ती, बजट के साथ नीतीश सरकार ने युवाओं को दे दिया एक और बड़ा तोहफा

🔶योगी सरकार ने लिया ऐतिहासिक फैसला, UP में अब बच्चों की पढ़ाई के लिए सीधे खाते में भेजेगी 3000 रुपए

🔶यू एn: भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख की टिप्पणी को बताया बेबुनियाद; मणिपुर-कश्मीर पर की थी बयानबाजी

🔶जर्मनी में आतंकी हमले की आशंका! ड्राइवर ने भीड़ पर चढ़ाई कार, दो की मौत, हिरासत में संदिग्ध

🔶दिल्ली CM बोलीं- बजट सत्र 24-26 मार्च के बीच होगा: सुझाव के लिए मेल और वॉट्सऐप नंबर जारी किए, कहा- हम हर वादे पूरे करेंगे

🔶इलाहाबादिया को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी पॉडकास्ट फिर शुरू करने की अनुमति

🔸झारखंड ने 1.4 5 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया; सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 6 2 हजार करोड़ रुपये किए गए आवंटित

🔸उत्तराखंड हिमस्खलन में 46 श्रमिक सुरक्षित, अंतिम शव मिलने से मृतकों की संख्या हुई 8

🔸ब्रिटेन-फ्रांस ने ट्रंप की दुत्कार का लिया बदला, जेलेंस्की का जोरदार स्वागत, बनाएंगे यूक्रेन युद्धविराम योजना

🔸'हमारे बीच सब ठंडा ठंडा-कूल कूल', शिंदे से कोल्ड वॉर की अटकलों पर बोले सीएम फडणवीस

🔸शेयर बाजार में घोटाला! पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और पांच अधिकारियों पर FIR का आदेश

🔸हेमंत विस्वा शर्मा : 'मुस्लिम-ईसाई नहीं, लेफ्ट-लिबरल से है हिंदुओं को खतरा', हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा हमला

🔸UP में एक्सप्रेस-वे और हाईवे के किनारे नहीं होंगी शराब की दुकानें, होली से पहले मुख्य मंत्री योगी का सख्त निर्देश

🔸MP में किसानों को ₹5 में बिजली कनेक्शन मिलेगा: अभी साढ़े 7 हजार रुपए में मिल रहा; मुख्य मंत्री बोले- 30 लाख सोलर पंप भी देंगे

🔸महाराष्ट्र में नाबालिग भाई ने बहन को मार डाला: 6 साल की बच्ची परिवार की लाडली थी, इससे नाराज था; नवाजुद्दीन की फिल्म से आइडिया लिया



रंग है जीवन,
रंग है प्यार,
रंगों में बसता
है संसार।
होली का यह
प्यारा त्योहार,
लाए सभी के
जीवन में
बहार।

---होली
के शुभ अवसर
पर 'नारद' के
पाठकों को रंग
भरी
शुभकामनाएं।।



सूर्योदय लोनावाला फोटो साभार: सूर्य नारायण सिंह

Description	Date	Day
Pradosh Vrat	MARCH 11,2025	TUESDAY
Holika Dahan, Phalguna Purnima Vrat	MARCH 13, 2025	THURSDAY
Holi, Lakshmi Jayanti, Chaitanya Mahaprabhu Jayanti	MARCH 14, 2025	FRIDAY
Bhai Dooj, Bhratri Dwitiya	MARCH 16, 2025	SUNDAY
Chhatrapati Shivaji Maharaj Jayanti, Bhalchandra Sankashti Chaturthi	MARCH 17,2025	MONDAY

Design & Technical Support: Kamala Krishnamurthy